

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का सन्देश

BHEL सुरक्षा पखवाड़ा 2022

प्रिय साथियो,

हम हर वर्ष, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस, 4 मार्च को 'राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस' के रूप में मनाते हैं। इस वर्ष की थीम 'Nurture Young Minds-Develop Safety Culture' पूरे देश के लिए और विशेषकर BHEL के लिए अत्यंत उपयुक्त है।

कर्मचारियों, उपकरणों, सुविधाओं, सामग्रियों और अपने परिवेश की सुरक्षा किसी भी संगठन की पहली और सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता होनी चाहिए - विशेष रूप से BHEL जैसे एक बड़े और प्रतिष्ठित संस्थान, जहां इसकी 16 इकाइयों तथा भारत और विदेश में स्थित 60 से अधिक परियोजना स्थलों में लगभग 31,000 कर्मचारी कार्यरत हैं, के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है। कोई भी दुर्घटना कर्मचारियों के मनोबल और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है और समय की बर्बादी, संसाधनों की क्षति तथा संगठन की प्रतिष्ठा में कमी के रूप में अत्यंत हानिकारक सिद्ध हो सकती है। इसलिए, BHEL में हमारा सदैव यह विश्वास रहा है कि सुरक्षा प्रत्येक कर्मचारी की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

सुरक्षा के प्रति BHEL के पास भली-भांति स्थापित प्रणालियां, सशक्त HSE नीति, एवं समर्पित जनशक्ति हैं। यह सब जोखिम को समाप्त करने/ कम करने / नियंत्रित करने के दृष्टिकोण के आधार पर सभी गतिविधियों और उत्पादों के व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिमों की लगातार पहचान, मूल्यांकन और प्रबंधन करने में हमें सक्षम बनाती हैं। इसके अलावा, हम अपनी इकाइयों के साथ-साथ परियोजना स्थलों और कार्यालयों में सुरक्षा प्रक्रियाओं की मॉनिटरिंग और उनमें निरंतर सुधार के लिए सुरक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राष्ट्रीय

एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों की सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। यह आवश्यक है कि हम अपने सभी कार्यक्षेत्रों में नवीनतम सिद्धांतों और कार्य पद्धतियों को अपनाएं, ताकि हमारे सुरक्षा प्रदर्शन में निरंतर सुधार सुनिश्चित हो सके।

इस वर्ष की थीम 'Nurture Young Minds-Develop Safety Culture' की प्रासंगिकता और महत्व को हमारे सुरक्षा प्रदर्शन को बेहतर बनाने और हमारे संगठनात्मक एवं व्यक्तिगत जीवन के सभी पहलुओं में सुरक्षा को एक आदत के रूप में विकसित करने के निरंतर प्रयास के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। हमारे युवा कर्मचारियों को सही दिशा में प्रशिक्षित करने से, शुरू से ही सुरक्षा के प्रति उचित मानसिकता विकसित करने में मदद मिलेगी।

हम "BHEL सुरक्षा पखवाड़ा" मनाने जा रहे हैं, जिसकी शुरुआत 4 मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस समारोह से होगी। आइए, हम इसे सुरक्षा-सर्वप्रथम संस्कृति के विकास और शून्य दुर्घटना (Zero Accident) के लक्ष्य को प्राप्त करने के साथ-साथ औद्योगिक सुरक्षा के क्षेत्र में एक बेंचमार्क बनाने की दिशा में स्वयं को पुनः समर्पित करने के अवसर के रूप में लें।

मैं टीम BHEL और उनके परिजनों के लिए एक सुरक्षित और स्वास्थ्य-पूर्ण वर्ष की कामना करता हूं।

आपका,



नलिन सिंघल

04 मार्च 2022

Message from Chairman & Managing Director

BHEL Safety Fortnight 2022

Dear Colleagues,

We observe 4th March, the foundation day of the National Safety Council, as 'National Safety Day' every year. This year's theme '**Nurture Young Minds - Develop Safety Culture**' is a very relevant theme for the country in general and BHEL in particular.

Safety of employees, equipment, facilities, materials as well as surroundings has to be the first and foremost priority of any organisation – especially one as large and reputed as BHEL with almost 31,000 employees across 16 plants and more than 60 project locations in India & abroad. Any accident can lead to disastrous impact on the morale and well-being of employees and impose huge costs in terms of loss of time, resources as well as image of the organisation. Accordingly, we at BHEL have consistently believed and upheld the idea of Safety being the first and foremost responsibility of each and every employee.

BHEL has well established systems, a robust HSE policy and dedicated safety manpower which enables continually identifying, assessing and managing occupational health and safety risks of all activities & products based on elimination/reduction/ control approach. In addition, we have been utilising services of leading national and international agencies in the sphere of Safety, for monitoring and further improving the

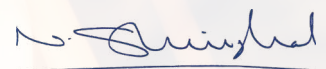
safety processes and performance at our works as well as projects and offices. It is necessary for us to keep up our efforts and also adopt the latest principles and practices in all spheres of work, to ensure consistent improvement in our safety performance.

The relevance and importance of this year's theme 'Nurture Young Minds-Develop Safety Culture' needs to be viewed in the backdrop of this consistent effort to improve our safety performance and to inculcate safety as a habit in all aspects of our lives – organisational as well as personal. Training our young employees in the right direction will help in developing appropriate mind-set towards safety, right from the beginning.

We are observing 'BHEL Safety Fortnight', starting with National Safety Day Celebration on 4th March. Let us take this as an opportunity to rededicate ourselves towards building a Safety-First culture and achieving our goal of Zero Accident as well as creating a benchmark in the field of Industrial safety.

I wish Team BHEL and their families a safe and healthy year ahead.

Sincerely yours,



Dr. Nalin Shinghal

4th March 2022